फैटी लिवर का लिंग और आयु बनाम प्रचलन

फैटी लिवर की व्यापकता महिलाओं की तुलना में पुरुषों में अधिक है। महिला हार्मोन का सुरक्षात्मक प्रभाव रहता है। रजोनिवृत्ति के बाद, पुरुषों और महिलाओं में व्यापकता समान हो जाती है। फैटी लिवर का सबसे अधिक प्रचलन 55-60 वर्ष आयु वर्ग में है। यदि पेट का मोटापा मौजूद है, तो फैटी लिवर का प्रसार 50% तक बढ़ जाता है। पेट का मोटापा तब माना जाता है जब कमर का घेरा 4-6 इंच साधारण घेरे से ज्यादा हो जाता है। साधारण घेरा लंबाई का आधा होना चाहिए।

$$\text{मानक कमर की माप} = \frac{\text{इंच में ऊंचाई}}{2} - 2 \text{ इंच.}$$

उदाहरण के लिए, एक 70 इंच लंबे व्यक्ति की कमर 33-35 इंच होनी चाहिए।

बड़ी कमर के साथ पेट का मोटापा भी युवा महिलाओं में चयापचय सिंड्रोम, उच्च रक्तचाप, टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और पीसीओएस के जोखिम को बढ़ाता है। फैटी लिवर और इन चिकित्सा स्थितियों का परस्पर संबंध है क्योंकि अंतर्निहित कारण समान है- अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ और असंतुलित जीवन शैली।